एक नजर में

सरपंच की मांग पर 36 लाख की बाउंड्रीवाल स्वीकृत भूमिपूजन संपन्न ग्रामीणों में हर्ष की लहर

धार। ग्राम पंचायत गोलपूरा स्थित आदिवासी बालक छात्रावास में विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 36 लाख रुपये की लागत से बनने वाली बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य का भूमिपूजन विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ संपन्न हुआ। जानकारी के अनुसार, ग्राम पंचायत गोलपूरा की सरपंच दीपिका अर्जुन गामड़ की मांग पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इस महत्वपूर्ण निर्माण कार्य को स्वीकृति प्रदान की गई। लंबे समय से छात्रावास परिसर की सुरक्षा के लिए बाउंड्रीवाल की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जिसे देखते हुए यह स्वीकृति मिली। भूमिपूजन कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणजनों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। उपस्थित नागरिक ने निर्माण कार्य के सफल एवं गुणवत्तापूर्ण संपादन की कामना की। बाउंड्रीवाल निर्माण से छात्रावास परिसर की सुरक्षा मजबूत होगी तथा विद्यार्थियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध होगा। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि अर्जुन गामड़ ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं प्रदेश सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा और छात्र हितों से जुड़े विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। बाउंड्रीवाल निर्माण से छात्रावास में अध्ययनरत विद्यार्थियों को सीधा लाभ मिलेगा।

गायत्री परिवार महिला मंडल रोजाना कर रहे घर-घर कलश पूजन

सरदारपुर। गायत्री परिवार महिला मंडल द्वारा आचार्य गुरुदेव, मां गायत्री के प्रेरणा सानिध्य में नगर व क्षेत्र में रोजाना शाम को घर-घर माता भक्तों के यहां पहुंचकर मां गायत्री मंत्रोच्चार के साथ कलश पूजन और बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार करवाने का आयोजन चल रहा है। कलश पूजन करने से पहले महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली जा रही है। मां गायत्री शक्तिपीठ की महिला मंडल अध्यक्ष, यज्ञाचार्य विमला तिवारी, पुष्पा कारले ने बताया कि माता भक्तजन कलश पूजन करवाकर धर्म लाभ लिया जा रहा है। इन्होने बताया कि कोई भी इच्छुक स्वेच्छा अनुरूप कलश पूजन करवाने के साथ धर्म पुण्य लाभ ले सकते हैं।

पर्यावरण है तो जीवन है पर्यावरण को बचाना है

सरदारपुर। पर्यावरण है तो जीवन है हम सभी का दायित्व है कि पर्यावरण को बचाने के साथ साथ घरो के आसपास एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण होना चाहिए। यह बात शनिवार को बदनावर मार्ग पर स्थित रजत सीमेंट परिसर में भास्कर पहल पर एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण के तहत ललित कुमार पुरोहित ने कही। परिसर में विभिन्न प्रजातियों का पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर प्रकाशचन्द्र त्रिवेदी, सुनील आर्य, ग्रन्थ जैन, गणेश आदि द्वारा पौधारोपण किया गया।

मोटापा बना देश की सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौती

इंदौर. मोटापा आज केवल सौंदर्य या वजन से जुड़ी समस्या नहीं, बल्कि अनेक गंभीर बीमारियों की जड़ बन चुका है. इसी कारण इसे मदर ऑफ ऑल डिजीज़ कहा जाता है. यह बात इंदौर के वरिष्ठ डायबिटीज, मोटापा, थायराइड एवं हार्मोन विशेषज्ञ तथा रिसर्च सोसायटी फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया (आरएसएसडीआई) के मध्यप्रदेश राज्य सचिव डॉ. राजेश अग्रवाल ने एंडोडायलॉग के 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन, जबलपुर में व्यक्त की. डॉ. अग्रवाल ने बताया कि मोटापे का आकलन अब केवल बीएमआई से नहीं किया जाता, क्योंकि यह शरीर में वसा (फैट) के वितरण और उसके प्रभावों की सही जानकारी नहीं देता. यदि किसी व्यक्ति के पेट का घेरा उसकी ऊंचाई के आधे से अधिक है, या पुरुषों में कमर का घेरा 90 सेंटीमीटर तथा महिलाओं में 80 सेंटीमीटर से अधिक है, तो उसे मोटापे की श्रेणी में माना जाता है. वर्तमान में विश्वभर में लगभग 60 करोड़ लोग मोटापे के कारण डायबिटीज की दहलीज पर खड़े हैं. डॉ. अग्रवाल के अनुसार भारत में लगभग 25 करोड़ लोग मोटापे से ग्रस्त हैं, जबकि 35 करोड़ लोगों में पेट का मोटापा पाया जाता है. ये सभी लोग प्री-डायबिटीज और डायबिटीज के उच्च जोखिम वाले समूह में हैं। समय रहते जीवनशैली में सुधार कर इन्हें डायबिटीज से बचाया जा सकता है. सम्मेलन के दौरान डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव, डॉ. ऋतु श्रीवास्तव एवं डॉ. सुबोध बांजल ने डॉ. राजेश अग्रवाल का सम्मान किया.

ट्रेजर आइलैंड में ओपन चेस टूर्नामेंट का आयोजन

इंदौर. ट्रेजर आइलैंड 14 जून को सुबह 11 बजे से ओपन चेस टूर्नामेंट का आयोजन करने जा रहा है. इस प्रतियोगिता में शतरंज प्रेमी, परिवार और नए खिलाड़ी अपनी रणनीतिक क्षमता दिखाने का मौका मिलेगा. उम्मीद है कि इसमें अलग-अलग आयु वर्ग के प्रतिभागी हिस्सा लेंगे, जिससे मॉल में उत्साह और बौद्धिक प्रतिस्पर्धा का माहौल बनेगा. समुदाय-केंद्रित पहल के रूप में डिजाइन किया गया इस प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रतिभागियों को अपनी रणनीतिक सोच परखने, समस्या-समाधान की क्षमता निखारने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में खुद आजमाने का मंच देना है. अनुभवी खिलाड़ियों से लेकर शतरंज की बारीकियां सीख रहे युवाओं तक, यह आयोजन हर किसी के लिए यादगार अनुभव होगा. टूर्नामेंट के मुकाबले केवल जीत-हार तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि एकाग्रता, अनुशासन और खेल भावना को मजबूती देंगे. साथ ही, प्रतिभागियों के बीच संवाद और अनुभवों के आदान-प्रदान का अवसर भी मिलेगा. इस पहल के जरिए शतरंज को केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि रणनीतिक सोच और बौद्धिक विकास के प्रभावी माध्यम के रूप में भी प्रोत्साहित किया जाएगा.

घरों में रखी पाण्डुलिपियों का संरक्षण जरूरी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- ज्ञान भारतम् मिशन में हो रहा है पाण्डुलिपियों का डिजिटल संरक्षण
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय मिशन के संबंध में दिए दिशा निर्देश

धार। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मठ मंदिरों के साथ-साथ कई घरों में भी प्राचीन पाण्डुलिपियां सुरक्षित हैं। हमारी सांस्कृतिक स्मृतियां, ज्ञान, परम्पराएं, विज्ञान और दर्शन पाण्डुलिपियों के रूप में अभी तक विद्यमान हैं। इन्हें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अमूल्य विरासत के संरक्षण, संवर्धन और दस्तावेजीकरण के लिए ज्ञान भारतम् मिशन की पहल राष्ट्रीय स्तर पर आरंभ की गई है। जिसके अंतर्गत वर्ष 1950 से पहले की पाण्डुलिपियों का डिजिटल रूप से संरक्षण किया जा रहा है। मिशन के अंतर्गत मंदिरों, मठों, आश्रमों, पुस्तकालयों और शैक्षणिक व शोध संस्थाओं के साथ-साथ व्यापारिक प्रतिष्ठानों और घरों में ताम्रपत्र, ताम्रपत्र, प्रस्तर, भोजपत्र, पोथियों आदि के रूप में विद्यमान पाण्डुलिपियों का संरक्षण होना है।

प्रदेश के एतिहासिक और सांस्कृतिक व धार्मिक रूप से समृद्ध है। यहां के धार्मिक स्थलों के साथ-साथ कई परिवारों तथा व्यापारिक संस्थानों के पास भी पर्याप्त मात्रा में पाण्डुलिपियां विद्यमान हैं। भारत की ज्ञान परम्परा को सुरक्षित रखने के इस राष्ट्रीय अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रदेशवासियों को प्रोत्साहित करना जरूरी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स वीसी में ज्ञान भारतम् मिशन के संबंध में यह निर्देश दिए। मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में हुई बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई और अपर मुख्य सचिव संस्कृति शिव शेखर शुक्ला उपस्थित थे।

> मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में बताया गया कि प्रदेश के जिलों में उपलब्ध पाण्डुलिपियों की अनुमानित संख्या 10 लाख 24 हजार 571 हैं। पाण्डुलिपियों के संरक्षण के लिए जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति गठित की गई है। समिति द्वारा ज्ञान भारतम् मोबाइल एप के माध्यम से पाण्डुलिपियों का सर्वेक्षण और उनकी अपलोडिंग की जा रही है। इस मिशन के लिए भारत सरकार और प्रदेश के पुरातत्व विभाग द्वारा प्रत्येक जिले के लिए एक प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पाण्डुलिपि संरक्षण अभियान के लिए पाण्डुलिपि धारकों के साथ संवाद स्थापित कर उन्हें अभियान से जो?ने के लिए जिला स्तर पर गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन गतिविधियों में शैक्षणिक संस्थानों और शोधार्थियों के भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

शाओमी टीवी एफएक्स मिनी एलईडी सीरीज अब उपलब्ध

इंदौर. शाओमी इंडिया ने आज शाओमी टीवी एफएक्स मिनी एलईडी सीरीज़ की उपलब्धता की घोषणा की. यह स्मार्ट टेलीविज़न लाइनअप उन ग्राहकों के लिए बनाया गया है जो अपने होम एंटरटेनमेंट अनुभव से और ज़्यादा की उम्मीद करते हैं. 43-इंच, 55-इंच, 65-इंच और 75-इंच स्क्रीन साइज़ में उपलब्ध, फायर टीवी के साथ आने वाली एफएक्स मिनी एलईडी सीरीज़ में एडवांस्ड डिस्प्ले टेक्नोलॉजी, शानदार साउंड, स्मार्ट फीचर्स और आसानी से कंटेंट एक्सेस करने की सुविधा है, ताकि देखने का अनुभव और भी बेहतर हो सके. शाओमी इंडिया के चीफ बिज़नेस ऑफिसर संदीप सिंह अरोड़ा ने कहा कि जैसे-जैसे ग्राहक एंटरटेनमेंट के लिए ज़्यादा शानदार और कनेक्टेड तरीकों की तलाश कर रहे हैं, फायर टीवी के साथ आने वाली शाओमी टीवी एफएक्स मिनी एलईडी सीरीज़ एडवांस्ड क्यूडी मिनी एलईडी टेक्नोलॉजी, शानदार ऑडियो और आसान स्मार्ट फीचर्स को एक साथ लाकर देखने का एक बेहतरीन अनुभव देती है.

15 अगस्त को जिलों के कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री प्रस्तुत करेंगे जिले की उपलब्धियां...

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर्स वीसी में दिए निर्देश

धार। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कलेक्टर्स वीसी में 21 जून को होने वाली नीट परीक्षा के सुव्यवस्थित संचालन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नीट परीक्षा केंद्रों के आसपास यातायात के सुचारू संचालन के लिए विशेष व्यवस्था की जाए। पुलिस प्रशासन परीक्षार्थियों के साथ सकारात्मक भाव से हर संभव सहयोग प्रदान करे। जिला स्तर पर सोशल मीडिया पर नजर रखी जाए तथा अफवाह फैलने की स्थिति में तत्काल वस्तुस्थिति से लोगों को अवगत कराया जाए। सभी परीक्षा केंद्रों पर पेयजल सहित सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के 30 जिलों में नीट परीक्षा के लिए 283 सेंटर बनाए गए हैं। सर्वाधिक 57 केंद्र इंदौर में हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के प्रदेश में होने वाले दौरे के दृष्टिगत आवश्यकत तैयारियों के संबंध में भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री निवास समत्व भवन में हुई बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, अनुपम राजन और शिव शेखर शुक्ला उपस्थित थे।

जिलों की बनेंगी विकास पुस्तिकाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिला स्तर पर विकास और जनकल्याण योजनाओं के संचालन की स्थिति की गहन समीक्षा की जाएगी। जुलाई माह में कलेक्टर्स-एसपी कांफ्रेंस भी होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त पर जिला स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों में जिले के प्रभारी मंत्री अपने संबोधन में विस्तृत रूप से जिले की उपलब्धियां प्रस्तुत करेंगे। प्रभारी मंत्रियों के संबोधन से पहले राज्य स्तर से मुख्यमंत्री का संबोधन होगा। यह सभी जिलों में प्रसारित होगा। जिला स्तर की उपलब्धियों के प्रस्तुतिकरण से जिला स्तर पर संचालित विकास और जनकल्याण गतिविधियों का दस्तावेजीकरण होगा, इसकी तैयारी तत्काल आरंभ की जाए। इस आधार पर जिलों की विकास पुस्तिका बनेगी। बैठक में जिले से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना, पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शांति समिति की बैठक

बाकानेर। त्योहारों के मद्देनजर पुलिस चौकी पर शांति समिति की बैठक रखी गई बैठक में मोहर्रम कमेटी के सदस्य सहित बाकानेर नगर के हिंदू संगठन एवं जनप्रतिनिधि पत्रकार गण उपस्थित थे। बैठक में एस डी ओ पी श्री बृजेश मालवीय ने कहा कि त्योहार शांति एवं सोहार्द पूर्ण वातावरण में मनाए जाए कोई भी अफवाह नहीं फैलाएं सोशल मीडिया पर कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट नहीं डालें जिससे किसी दूसरे समुदाय को परेशानी हो कोई भी समस्या के लिए आप पुलिस से संपर्क कर सकते हैं उन्होंने लाइट बिजली सीसीटीवी कैमरे एवं साफ-सफाई व्यवस्था हेतु निर्देशित किया है बैठक में नायब तहसीलदार चौकी प्रभारी प्रशांत पाल सहित ग्रामवासी उपस्थित थे.

आध्यात्मिक मार्ग ही तनाव मुक्त जीवन जीने की औषधि...

कुक्षी में आज से शुरू होगा साप्ताहिक तनाव मुक्ति कार्यक्रम

कुक्षी। नगरवासियों को मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने और जीवन में सुख-शांति का संचार करने के लिए मनावर रोड स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के स्थानीय सेवाकेंद्र द्वारा एक विशेष पहल की जा रही है। सेवा केंद्र पर 15 जून से 21 तक सात दिवसीय तनाव मुक्ति साप्ताहिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात 8.30 बजे तक आयोजित होगा।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता देश-विदेश की प्रख्यात तनाव मुक्ति विशेषज्ञ ब्रह्माकुमारी पूनम बहन होंगी। पूनम बहन पिछले 30 वर्षों में भारत और विदेशों के विभिन्न शहरों में 1000 से भी अधिक सफल तनाव मुक्ति कार्यक्रमों का संचालन कर चुकी हैं। उनके मार्गदर्शन से लाभ उठाकर अब तक हजारों लोग कलयुगी और भागदौड़ भरे माहौल में भी खुशहाल, आनंदमय और चिंतामुक्त जीवन जी रहे हैं स्थानीय ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र की मुख्य संचालिका बीके ममता दीदी ने बताया कि अन्य शहरों के हजारों लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को देखते हुए उन्होंने पूनम बहन से कुक्षी नगर में भी इस कार्यक्रम को आयोजित करने का विशेष आग्रह किया था। इसका उद्देश्य कुक्षी के नागरिकों को एक चिंता रहित जीवन शैली अपनाने, जीवन को सुख-शांति और प्रेम से भरने तथा परमात्मा के इस अमूल्य जीवन रूपी वरदान का आभार व्यक्त करने के लिए प्रेरित करना है। ब्रह्माकुमारी पूनम बहन और ममता दीदी ने संयुक्त रूप से कुक्षी नगर के समस्त नागरिकों का आह्वान किया है कि अधिक से अधिक संख्या में इस कार्यक्रम में पधारकर अपने जीवन को सकारात्मक दिशा दें।

श्रीमद् भागवत कथा के पांचवे दिन हुआ पूतना वध

- छप्पन भोग लगाकर महा आरती की
- बाल लीला और गोवर्धन लीला ने बांधा समा

बाकानेर। चेतना कॉलोनी स्थित श्री रामेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस पर सोमवार को कथावाचक ज्योतिषाचार्य पंडित अमन पंड्या ने श्रीकृष्ण की पूतना वध, बाल लीला और गोवर्धन पूजा प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया।

कथा में पंडित अमन पंड्या ने बताया कि कंस ने श्रीकृष्ण को मारने के लिए बलवान राक्षसी पूतना को भेजा। पूतना ने सुंदर स्त्री का वेश धारण कर बालकृष्ण को जहरीला दूध पिलाने का प्रयास किया, लेकिन भगवान ने उसे ही मृत्यु देकर उसका उद्धार कर दिया। उन्होंने कहा कि भगवान इस धरा पर आकर अधर्म का नाश और भक्तों का उद्धार करते हैं। इसके पश्चात उन्होंने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का रसपूर्ण वर्णन किया। माखन चोरी, गोपियों की मटकी तोड़ना, माटी खाना और माता यशोदा द्वारा माखन चोरी पर ओखली से बांधने की लीलाएं सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। गोवर्धन लीला का वर्णन करते हुए उन्होंने बताया कि ब्रजवासियों द्वारा इंद्र पूजन की तैयारी के समय श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत की पूजा का सुझाव दिया। इससे क्रोधित होकर इंद्र ने मूसलाधार वर्षा की, तब ब्रजवासियों की रक्षा के लिए श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठा अंगुली पर गोवर्धन पर्वत उठा लिया। कथा पंडाल में गोवर्धन पर्वत की आकर्षक झांकी सजाई गई थी, जिसे देखकर भक्त नतमस्तक हुए।। कथा के दौरान बाल रूप में श्रीकृष्ण बने अथर्व सेन ने मटकी फोड़कर सभी का मन मोह लिया। मटकी फोड़ के पश्चात भजन-कीर्तन पर महिलाओं ने देर रात तक रास किया। आज पंचम दिवस कृष्ण लीला के प्रसंग पर श्री कृष्ण के प्रिय छप्पन भोग का भोग भगवान को लगाया गया आज की कथा के मुख्य यजमान निर्मल मुकाती, मांगीलाल शर्मा और सुधीर सेन परिवार ने पूजा-अर्चना कर आरती करने का सौभाग्य प्राप्त किया। प्रसाद वितरण महालक्ष्मी गुरु कृपा आइसक्रीम पार्लर के संचालक शंकर गोस्वामी ी ओर से किया गया। कृष्ण लीला की कथा सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजन समिति ने बताया कि कथा प्रतिदिन रात्रि 8 बजे से प्रभु इच्छा तक जारी रहेगी।

45 वर्षीय युवक की नहाने के दौरान डूबने से मौत

बाग। दोस्तों के साथ कोटेश्वर नर्मदा स्नान करने गये युवक की नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा हे शनिवार को बाग से अपने मित्रों के साथ मनीष बाहेती कोटेश्वर नर्मदा जी के दर्शन करने व वहां स्नान के लिए गये थे। सभी लोग साथ में नहा रहे ओर करीब उस समय वहां बड़ी संख्या

में श्रद्धालु स्नान कर रहे थे लेकिन मनीष कब गहरे पानी में चले गये। ये किसी को पता नही चला। जब सभी शाम करीब 6 बजे के बाद स्नान कर के बहार निकले और सभी ने अपने कपड़े वगेहरा पहन लिये और मनीष वहां नहीं दिखा तो सभी मित्रों ने उसे आसपास ढुंढना शुरु किया मगर मनीष के नहीं मिलने पर गोताखोरों की मदद ली गई। आधा पौन घंटा यह सर्चिंग चला नर्मदा जी में ओर आखिर कर सर्चिंग के दौरान मनीष का शव बरामद हुआ। उसे वहां से निकालकर हास्पिटल पहुंचाया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित किया। इधर नगर में यह दुखद खबर जेसे ही समाजजन को लगी नगर में सन्नाटा छा गया। कुक्षी में रविवार सुबह उसका पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपा गया जिसका अंतीम संस्कार बाग मुक्तिधाम पर किया गया।

एक नजर में

सरदार वल्लभ भाई पटेल महाविद्यालय में बाल श्रम निषेध दिवस कार्यक्रम आयोजित

बाल श्रम पर रोक के लिए देश में कानून और नियम बनाए गए : प्रो. डीके वर्मा

कुक्षी। बाल श्रम बचपन की बौद्धिक और शारीरिक बुनियाद को कमजोर करता है। यदि नींव कमजोर रही तो जीवन भर मजबूरी का सामना करना पड़ सकता है। इसीलिए जन जागरण के लिए बाल श्रम निषेध दिवस विश्व स्तर पर मनाया जाता है। बाल श्रम पर रोक के लिए देश में कानून और नियम बनाए गए हैं।

ये विचार बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय (ब्राउस) के प्रभारी कुलगुरु प्रो डीके वर्मा ने व्यक्त किए। आप स्थानीय सरदार वल्लभ भाई पटेल महाविद्यालय में बाल श्रम निषेध दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। आयोजन ब्राउस तथा अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आई एलओ) के तत्वावधान में किया गया। उल्लेखनीय है कि ब्राउस तथा आईएलओ के संयुक्त तत्वावधान में पश्चिम मप्र के अलीराजपुर, बड़वानी, धार, झाबुआ और रतलाम में बाल श्रम उन्मूलन, बाल अधिकार संरक्षण तथा सामाजिक विकास गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। आईएलओ कंट्री हेड डॉ बंसरी नाग ने भी संबोधित किया। प्रो. वर्मा ने विद्यार्थियों से अनुराध किया कि वे शाला त्यागी, महाविद्यालय त्यागी बच्चों पर शोध करें। उन कारणों की पहचान करें जिनसे बच्चों ने पढ़ाई छोड़ दी। ऐसे शोध अध्ययन हमें प्रस्तुत करें। उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा

बाल कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष सुधीर जैन (अलीराजपुर) ने कहा कि बालकों से बचपन का कालखंड नहीं छुड़ाएं। ऐसे प्रभावित माता-पिता को सरकार यथोचित सहायता उपलब्ध कराए। अश्वत निदेशक अनामिका तिवारी ने भी विचार रखे। महिला सहकारिता समूह ने भी सहभागिता कर बाल श्रम निषेध पर तैयार रेड कार्ड प्रदर्शित किए।

> **सहकारिताओं में महिलाओं के सशक्तिकरण से प्रगति में तेजी**
>
> समारोह के द्वितीय सत्र में महिला सहकारिता समूह की कार्यशाला को विषय विशेषज्ञों ने संबोधित किया। प्रबंधन गुरु डॉ कपिल शर्मा ने दोहा में नवंबर 2025 में घोषित विश्व की नंबर एक सहकारिता अमूल की सफलता में मातृ शक्ति के योगदान की चर्चा की। साथ ही अपेक्षा की कि मालवा- निमाड़ अंचल में गठित महिला सहकारी समूह शीघ्र ही विशेष पहचान बनाएगा।